शिक्षक केलिए दिशा-निर्देश

बाइबल टाइम लेवल 1 और 2

A सीरीज़

पाठ 7-12

www.besweb.com

शिक्षक केलिए दिशा- निर्देश।

यह दिशा-निर्देश उन शिक्षकों केलिए प्रकाशित किए है जो बाइबल टाइम सिखाते है। इस पुस्तिका को लेवल 1और 2 लगभग 5-10 के आयु के बच्छो को पठाने से इस्तमाल कर सकते है।

हर एक टिचिन्ग गाइड में वही बाइबल पद का अनुकरण किया है जो बाइबल टाइम पाठ में दिए गए है। बाइबल टाइम पाठ और गाइडलाइन्स साप्ताहिक आधार पर उपयोग करने केलिए बनाया गया है। आप्रैल के पाठ क्रिस्मस से सम्बन्धित है।

कई क्षेत्रों में A4 पाठ और दूसरे क्षेत्रों में A5 पुस्तिका को जिसमे 24 पाठ शामिल है असका उपयोग करते है। आम तौर पर शिक्षक A4 मासिक पाठ का वितरण करेंगे ओर एक हफ्तें में एक पाठ को विध्यालय, गिरिजाघर, या अपने घर में लैजाकर पूरा करके वापस लौटाना चाहिए। हर महीने के अन्त में शिक्षक पाठ को इकट्ठा करके जाँचने के बाद जल्द ही लौटाना चाहिए।

आदर्शरूप में पुस्तिका इस्तमाल करते वक्त सत्र के अन्त में जाँच करने केलिए इकट्ठा करते है। हम समझ सकते है कि कई परिस्थितियों में असम्भव है। ऐसे स्थिति में पुस्तिका को कक्षा के दुसरे बच्चों में वितरण करके उन से जाँच करवाया जा सकता है। पुस्तिका के पीछे हर महीने का अन्क लिखने और बच्चों की प्रगति के बारे में टिप्पणी लिखने का स्थान दिए गए है। एक प्रमाण पत्र भी है जिसे अलग करके छः में प्राप्त किए कुल अन्क लिखकर बच्चों को देने है।

शिक्षक केलिए तैयारी

हम आदेशात्मक नही होने चाहते जिसकी वजह से शिक्षक को अपने विचारों और तरीको से सिखाने का अवसर न मिले। यह बाइबल टाइम सिखाने केलिए सिर्फ एक सूझाव है।

- **कहानी से सुपरिचित होना** - शिक्षकों को बाइबलल कहानियों और उससे जुडे बाइबल टाइम पाठ से अच्छी तरह से सुपरिचित होना चाहिए। शिक्षक को पहले पाठ पूरा करना चाहिए। हर एक पाठ की दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढकर नियोजन सहायता के रूप में भी इस्ततमाल करना चाहिए।
- **विषय को समझना** -हर एक पाठ के आरम्भ में अपने यह वाक्य देखा होगा - “हम सीख रहे हे कि” उसके बाद सीखने के दो उदेश्य भी दिए गए है जो हमे उम्मीद है कि शिक्षक के प्रस्तुति और बच्चे बाइलब टाइम को पूरा करने पर उन्हे समझ आएंगे। सीखने का पहला उदेश्य है विषय के बारे में ज्ञान प्राप्त करना और दूसरा उदेश्य है बच्चे को इस ज्ञान के बारे में सोचने, प्रयोग करके अनुक्रिया देने केलिए प्रोत्साहन देना। यह निर्देशन पाठ में दिए गए मुख्य विषय सत्य का सूक्षम वक्तव्य है। इसे शिक्षक अपने पढाने और सीखने के अपने व्यक्तिगत मूल्यान्कन केलिए उपयोग कर सकते है।
- **परिचय कराना** - हर पाठ के आरम्भ में उन परिस्थितियों में बच्चों के अपने अनुभव के बारे में पूछकर शुरु करना चाहिए। बच्चों को पाठ का परिचय कराने केलिए कई तरीको का सुझाव दिए गए है। जिसके सहायता से कहानी की प्रारम्भ के बारे में बच्चे सम्वातात्मक चर्च कर सकेंगे।
- **पढाना**- कहानी की मुख्य सारांश हमने दिए है। हम यह नही चाहते की पढाते वक्त शिक्षक इसे देखे। हम चाहते है की शिक्षक इस पाठ से इतना परिचित हो ताकि मनेरन्जक और प्रेरणापद तरीके से बच्चों को वह सीखा पाऐंगे। शिक्षक यह चाहेंगे की बच्चे कहानी की मुख्य पाठ को समझे और उस कहानी को सीखने के बाद अनुक्रिया दे। कई प्रधान व्यख्यों को हम तिरछे अक्षरों में लिखे है।
- **सीखना** –हर एक कहानी में एक मुख्य पद दिए गए है। कई जगह दो पद दिए है। हम चाहते है की बच्चों को अक्सर मुख्य पद याद दिलाते रहे ताकि उन्हे बाइबल पदों के बारे में ज्ञान प्राप्त होगे।
- **पूरा करे** - एक विध्यालय कि माहोल में बच्चो की सामर्थ्य और शिक्षक की तरह से दिए जाने वाले मदद के बारे में हमे पता होता है। कई बच्चों केलिए ज़रूरी है की शिक्षक उन्हे पाठ पढ के सुऩाए। अन्य बच्चों स्वयं पढ सकते है। दोनों हाल में यह अच्छा होगा अगर बच्चों का ध्यान हम सवालों से सम्भन्धित निर्देशों के और खीच सके। अगर आप स्कूल से बाहर बाइबल टाइम सीखा रहे हो तो यह बहुत ज़रूरी है कि आप मदद केलिए मौजूद हो ताकि बच्चों को यह न लगे की यह एक बहुत ही मुश्किल काम या परीक्षा है। पढाते वक्त उसे मज़ेदार बनाना प्रोत्साहित करना और तारीफ करना अनिवार्य है।
- **याद करना**- पाठ को दोहराते वक्त पहेली या अभिनय द्वारा उसे मनोरंज़क बनाए ताकि बच्चों को वह हमेशा याद रहे।
- **प्रदर्शित करना**-हो सके तो चाक्षुष सहायक सामग्री का उपयोग करे ताकि बच्चों पाठ को अच्छी तरह से समझ सके। बेबसाइट में (www. freebibleimages.org & info@eikonbibleart.com) से यह सामग्री मिल सकते है।

1. मुख्य पद को सिखाना

पद को कागज़ या बोर्ड में लिखे और जैसे बच्चे उसे दोहरराते है पद से एक-एक पद करके निकाले ताकि अन्त में पूरा पद को निकाल दिया जाए और बच्चे उन्हे बिना देखे दोहराए।

2. मुख्य पद को परिचय कराने केलिए

A. बच्चों को दो झुण्ड में डालेः एक झुण्ड को कई अक्षर लिखे हुए परचियाँ दे और दुसरे झुण्ड को खाल परचे। बच्चे आपस में मिलकर उसे पूरा करे और सीखे।

B. सबसे पहले जो बच्चा बाइबल में यह पद ढूँढे वह जोर से उसे पढे।

समय योजना

क्रमः हर पाठ केलिए हम एक ही क्रम दिए है। लेकिन शिक्षक चाहे तो इच्छा अनुसार बदल सकते है।

1. प्रस्तुतीकरण और कहानी को सुनाना - लगभग 15 मिनट
2. मुख्य पद को पढाना - 5-10 मिनट
3. कार्य-पत्र को पूरा करना - 20 मिनट
4. सवाल-जवाब और दूसरे क्रियाकलाप - 5-10 मिनट

हमेशा यह कहावत याद रकनाः

"मुझे सुनाईए, मैं भूल सकता हूँ,
'मुझे दिखाईए, मैं याद रखूँगा,
मुझे शामिल करे, मैं सीख लूँगा।"

बाइबल टाइम पाठ्यक्रम

	लेवल 0 (प्री स्कूल) लेवल 1 (उम्र 5-7) लेवल 2 (उम्र 8-10)	लेवल 3 (उम्र 11-13)	लेवल 4 (उम्र 14+)
स्टार्टर सीरीज़	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार	1. पहला पाठ - परिचय 2. U 1 लूका का सुसमाचार 3. U 2 लूका का सुसमाचार 4. U 3 लूका का सुसमाचार
सीरीज़ A	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. अब्राहम 6. अब्राहम 7. पतरस 8. पतरस 9. याकूब 10. प्रथम ईसाई 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. प्रार्थना 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी और पाप 2. उत्पत्ति 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. मसीही जीवन 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ B	1. मसीह का प्रारम्भीक जीवनकाल 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. दृष्टान्त 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. यीशु ने मिले लोग 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. सुसमाचार के लेखक 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. याकूब और परिवार 7. यूसुफ 8 प्रेरितों 2:42 आगे की ओर 9. मूसा 10. मूसा 11. व्यवस्था 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ C	1. दानियेल 2. और अलोकिक कर्म 3. यीशु ने मिले लोग 4. मसीह की मौत 5. रूत और शमुएल 6. दाऊद 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. योना 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु ने मिले लोग 3. और अलोकिक कर्म 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. परमेश्वर द्वारा उपयुक्त लोग (पुराना नियम) 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु की कहावत 3. प्रभु की शक्ति 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. पुराने नियम के और किरदार 12. क्रिसमस की कहानी

A 7 कहानी 1

पतरस का धर्मोपदेश- यह कहानी पतरस के बारे में है जिसे पवित्र आत्मा ने यीशु के बारे में प्रचार करने केलिए मदद किए थे।

	हम सीख रहे की : • चेलो के साथ पवित्र आत्मा का होना ज़रूरी था। • हर कोई जिसने प्रभु यीशु को मसीह के रूप में भरोसा किया है उस के अन्दर पवित्र आत्मा रहता है। **मुख्य पद: प्रेरितो 2:36** **बाइबल पाठ: प्रेरितो 2:1-14; 36-39**
प्रस्तुत करने	• पवित्र आत्मा को प्रस्तुत करने केलिए सवाल पूँछो क्या आप हवा को देख सकते है? आप कैसे जानते है कि हवा है? जो हवा करता है वह हम देख सकते है। अगर आप बाहर देख सकते है तो हवा के सबूत को ढूँढो। • बच्चों को ईस्टर के कहानी याद दिलाओ-यीशु मरने के बाद पुनर्जीवित हुए थे। स्वर्ग वापस जाने से पहले उन्होने वादा किया था कि वे एक अनदेखा सहायक को भेज़ेंगे। • यह सहायक पवित्र आत्मा था जो उनमे से हर एक के अन्दर रहेंगे। हवा कि तरह वे पवित्र आत्मा को देख नही पाऐंगे लेकिन जीवन में जो परिवर्तन आऐंगे वह सब को प्रकट होगा।
सिखाने	• यीशु स्वर्ग में जाने के एक दिन बाद, यरुशलेम के एक घर में चेले इकट्ठा बैठे थे। **(प्रेरितो 2:1-4)** अचानक वहाँ बडी आँधी का शब्द हुआ। फिर आग कि सी जीभे उनमें से हर एक पर ठहरा। पवित्र आत्मा आ गया था। *आप को क्या लगता है कि ऐसे एक खास उपहार मिलने पर चेलों के प्रतिक्रिया क्या थी? (उत्तेजित, विस्मित, यीशु के वादे पूरे होने पर खुशी)* • फिर वे समझ गए कि वह अन्य भाषाओ में बोल रहे थे। *बच्चो को समझाएं की आम तोर पर हम केवल उन भाषाएँ ही बोल सकते है जो हम माता-पिता से सीखे हो या फिर हमे सिखाए गए हो। चेलो यह भाषा जानते नही थे। अगर आप उस वक्त वह घर के सामने से गुजरे तो आप क्या सोचेंगे?* • आस पास के लोग शोर सुनकर घबरा गए लेकिन आश्चर्यचकित भी थे **(प्रेरितो 2:5-13)** • पतरस जानता था कि यह एक अच्छा अवसर है भीड को प्रभु यीशु के बारे में बताने और यह समझाने कि उन्के साथ क्या हो रहे थे। **(प्रेरितो 2:36-39)** *एक बडे भीड को सम्भोधित करने कि कठिनाईयों के बारे में चर्चा करो। (थोडा डरावना, कहने केलिए सही शब्द जानना*, लोगो के सोच के बारे में थोडा चिन्तित) लेकिन पवित्र आत्मा की सहायता से पतरस यह करने में सक्षम थे। • *पतरस के सुनने वालों को अपने पापों से उद्धार पाना जितना ज़रूरी था उतना ही ज़रूरी हमे भी है।* • *समझाओं की जो कोई प्रभु यीशु को एक मसीह के रूप में विश्वास करेंगे उसे पवित्र आत्मा मिलेंगे। पवित्र आत्मा हमें दुसरो को यीशु के बारे में बताने में मदद करेंगे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **प्रेरितो 2:36** यह पतरस के सन्देश का एक हिस्सा था। उसने कहा कि उन लोगों ने यीशु को मार डाला था। लेकिन परमेश्वर ने उसे जीवित किया। यह साबित करता है कि यीशु एक साधारण मनुष्य नही था वे प्रभु और मसीह था।
याद करने	• पवित्र आत्मा के आगमन के वक्त प्रेरित कहाँ थे? • आत्मा कि आने की आवाज़ किस तरह की थी? • प्रेरितो ने क्या देखा? • जैसे ही वे पवित्र आत्मा से भर गए थे, वे क्या करने में सक्षम थे? • सब कुछ कौन सुन रहा था? • किस प्रेरित ने खडे होकर सारे चीज़ो को समझाया? • पतरस ने किस के बारे में कहा? • पतरस ने उन्हे उनके पाप के बारे में क्या बताया? • यह करने पर उन्हे क्या मिलेगे? • आज किस तरह के लोगों के अन्दर परवित्र आत्मा रहती है?

A 7 कहानी 2

पतरस एक लन्गडा आदमी को चन्गा करता है- यह कहानी परमेश्वर के चन्गा करने के शक्ति के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु की शक्ति से पतरस और यूहन्ना द्वारा लन्गडे को चन्गा किया। • पतरस और यूहन्ना उस लन्गडे का मदद करने चाहा उसी तरह हमे भी दूसरों की मदद करना चाहिए। **मुख्य पद:** **लेवल 1- प्रेरितो 3:6** **लेवल 2- प्रेरितो 3:16** **बाइबल पाठ:** **प्रेरितो 3:1-12**
प्रस्तुत करने	• संवेदनशील तरीको से बच्चों को उस आदमी के बारे में बताओ जो चल नही सकता था वह अपने भोजन और जीवित रकने केलिए सिर्फ भीख माँग सकता था। • समझाओ कि उसे हर दिन दूसरे लोग के सहायता से मन्दिर तक ले जाया जा सकता था। • एक दुखी आदमी का एक सरल चित्र बनाओ।
सिखाने	• एक दिन जैसे पतरस और यूहन्ना मन्दिर जा रहे थे तभी एक लन्गडा आदमी ने उनसे पैसे माँगे। **(प्रेरितो 3:1-5)** *इशारा करो कि उस आदमी के साथ बात करने केलिए उन्होने समय निकाला।* • पतरस के शब्द का इस्तमाल करो जो उन्होने **(प्रेरितो 3:6-7)** में उपयोग किया था। *समझाओ कि सोना और चाँधी केवल थोडी मदद करेंगे- वह उस आदमी का पैर ठीक नही कर सकता था।* पतरस उनको ऐसे कुछ देने को सक्षम था जो पूरी तरह से उनका जीवन को बदल देने वाला थी। • पतरस ने उसका हाथ पकड कर उसे उठाया। अचानक उनके पावों और टखनो में बल आ गया। जिन्दगी में पहली बार वे अब चल और कूद सकता था। फिर उसने परमेश्वर के स्तुती करते हुए पतरस और यूहन्ना के साथ मन्दिर गए **(प्रेरितो 3:8)** *अगर आप इस लन्गडे को रोज़ भीख माँगते हुए देखा था और जब यह नज़ारा को देखा तो आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी?* • हर कोई इस घटना को देख कर अचम्भीत थे। **(प्रेरितो 3:9-12)** • *विचार करो कि हम पतरस के आदर्श का पालन कैसे कर सकते है। दूसरों की मदद करने के बारे में बताएँ और स्पष्ट करे कि सबसे महत्वपूर्ण कार्य जो हम कर सकते है वह है प्रभु यीशु के समाचार को दूसरों को बताना।।* • *उस आदमी के तरह हमारे जीवन में भी अनेक परेशानियाँ हे। लेकिन जिस यीशु ने उस लन्गडे को चन्गा किया वे हमारे पापों को दूर करने में सक्षम है* • *कुछ चीज़ों के बारे में सोचो जिसके लिए हम परमेश्वर का स्तुति कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -लेवल 1- **प्रेरितो 3:6; लेवल 2- प्रेरितो 3:16।**
याद करने	• तब समय क्या था। • पतरस और यूहन्ना कहाँ जा रहे थे? • कितने सालों से वह व्यक्ति लन्गडा था? • हर दिन वह कहाँ बैठता था? • पतरस और यूहन्ना से उसने क्या माँगा? • किसके नाम से पतरस ने उसे चन्गा किया? • पतरस ने बात करने के अलावा और क्या किया? • तीन कार्य को लिखो जो वह आदमी अब करने में सक्षम था? • चन्गा होने के बाद वह कहाँ गया? • यीशु कि शक्ति हमारे जीवन में क्या असर कर सकता है?

A 7 कहानी 3

पतरस बन्दीगृह में- यह कहानी परमेश्वर अपने सेवा करने वालों की मदद करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • पहले ईसाइयों को उन धार्मिक नेताओं का सामना करना पडा जिन्होने यीशु को क्रूस पर चढाया था। • जो लोग वास्तव में यीशु को प्यार करते है वे किसी भी परेशानी के बीच में भी उनके आदेश का पालन करेंगे। **मुख्य पदः** **इब्रानियों 13:6** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 4:1-22**
प्रस्तुत करने	• क्योंकि यह कहानी पिछली कहानी का अविराम है अच्छा होगा अगर हम एक पुनरिक्षण दे सके। • खुश और दुखी चेहरो का चित्र बनाएँ। • उस लन्गडे ने कैसे चलना शुरु किया? बच्चो को समझाओ कि यह सिर्फ यीशु की शक्ति के कारण है।
सिखाने	• इसके बाद पतरस और यूहन्ना ने पुनर्जीवित प्रभु यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगो ने विश्वास किया। **(प्रेरितो 4:1,2,4)** लेकिन मन्दिर के महायाचक पतरस से नाराज़ थे। जल्द ही उन्होने पतरस और यूहन्ना को गिरफ्तार करके बन्दीगृह में डाला। **(प्रेरितो 4:3)** *समझाएँ कि उनके लिए यह कैसा अनुभव रहा होगा।* • अगली सुबह उन्हे महायाजक के सामने ले आकर पूछताछ शुरु किया। **(प्रेरितो 4:5-7)** • एक बार फिर पवित्र आत्मा के मदद से पतरस ने महासभा को समझाया कि कैसे उस लन्गडे को चन्गा मिला **(प्रेरितो 4:8-12)** महासभा यह नही समझ पाया कि पतरस और यूहन्ना के साथ क्या करना है। वे जानते थे कि एक अलौकिक कर्म हुआ था लेकिन आपस में चर्चा करने के बाद उन्होने पतरस और यूहन्ना को यीशु के बारे में प्रचार करने को मना किया। **(प्रेरितो 4:13-14)** *पतरस और यूहन्ना ने कैसे महसूस किए होंगे? क्या वे पालन करेंगे?* • पतरस और यूहन्ना जानते थे कि प्रभु यीशु के बारे में न बोलना असम्भव है। **(प्रेरितो 4:20)** *वे प्रभु यीशु को इतना प्यार करते थे कि उनके लिए किसी भी कठिनाई का सामना करने केलिए तैयार थे। और वे जानते थे कि प्रभु हमेशा उनके साथ होंगे और पवित्र आत्मा उनके मदद करेंगे।* • *यीशु चाहता है कि सभी कठिनाईयों के बीच में भी हम उसकी आज्ञा का पालन करें।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**इब्रानियो 13:6** क्या आप को लगता है कि ये शब्द उनकी मदद कर सकते है? स्पष्ट करो कि इसे समझने पर हमे भी सहायता हो सकता है।
याद करने	• बच्चों के दो झुण्ड बनाएँ। इस प्रश्नोत्तरी के वाक्यों को अलग-अलग परचे में लिखकर थैली में डालो। हर एक वाक्य को 5-100 के बीच का अन्क दिए गए है। • सिपाई पतरस और यूहन्ना से नाराज़ थे। • वे एक रात बन्दीगृह में रहे। • उनके रिहाई के बाद महासभा ने उनसे पूछताछ किए। • पतरस ने महासभा से कहा कि यीशु की शक्ति से वह आदमी चन्गा हुआ था। • पतरस और यूहन्ना महासभा से फरार हुए। • महासभा ने निर्णय लिया कि पतरस और यूहन्ना कभी भी यीशु के बारे में प्रचार नही करेंगे। • पतरस और यूहन्ना ने कहा कि वे अदालत का पालन करेंगे।

A 7 कहानी 4

पतरस की रिहाई - यह कहानी परमेश्वर प्रार्थना का जवाब देने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर अपने शक्ति और सहारा उन मसीही को देना चाहते है जो उनके काम करते है। • हमारे हर परिस्थिति का सामने करने केलिए प्रार्थना बहुत महत्वपूर्ण है। **मुख्य पदः** **प्रेरितो 4:31 और मत्ती 6:33** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 4:23-31**
प्रस्तुत करने	• उन खबर के बारे में चर्चा करे जिसे बच्चे अपने दोस्त या परिवार के साथ बाँटना चाहते है- शायद कोई रोमान्चक घटना जहाँ उसने कुछ जीता हो। या फिर कुछ दुखी खबर ।
सिखाने	• पतरस और यूहन्ना के पास कुछ खबर थे जो वे अपने दोस्तों के साथ बाँटना चाहते थे। **(प्रेरितो 4:23)** अच्छी खबर यह था कि वे अब बन्दीगृह से मुक्त थे और बुरी खबर यह था कि उसे यीशु की प्रचार करने से मना किया गया है। • पतरस और यूहन्ना ने प्रार्थना करने का एक सही निर्णय लिया। **(प्रेरितो 4:24-30)** वे जानते थे कि परमेश्वर नियन्त्रण में थे। और वे उन लोगों से भी महान थे जो उन्हे रोकना चाहते थे। उन्होने परमेश्वर से अधिक शक्ति केलिए प्रार्थना किया और यीशु के नाम से अधिक अद्भुत काम करने केलिए विनती किया। **(प्रेरितो 4:29-30)** • जैसे ही वे परमेश्वर से प्रार्थना किया, परमेश्वर ने उत्तर भी दिया **(प्रेरितो 4:31)** *समझाओं की उस जगह को हिलाने से परमेश्वर उस पवित्र आत्मा की शक्ति को दर्शना चाहता था जो भविष्य में यीशु के सुसमाचार के प्रचार करने उनकी मदद केलिए उनके साथ रहेंगे।* • *समझाओ कि जब हमें मुश्किल काम करना पडे तो हम भी परमेश्वर से प्रार्थना कर सकते है।* • *परमेश्वर हमारी प्रार्थना सुनकर जवाब देता है और आज कि कहानी की लोगों की तरह उन्हे प्रथम स्थान देने हमे मदद करेंगे।* • *लेवल 2 के बच्चों को समझाओ की मसीही होना बहुत कठिन है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**प्रेरितो 4:31 और मत्ती 6:33** परमेश्वर का राज्य को खोजने का मतलब है वह सब जो उनके लिए महत्वपूर्ण है और निश्चित रूप से उसमें प्रभु यीशु भी शामिल है।
याद करने	सभी चार कहानियों के आधार पर प्रश्नोत्तरी। • यीशु की चेलों को पवित्र आत्मा के ज़रूरत क्यों थे? • आत्मा के आगमन पर चेलों ने क्या देखा? • मुख्य पद को पूरा करो, ... "परमेश्वर ने..." **(प्रेरितो 2:36)** • मन्दिर में पैसे केलिए वह आदमी भीख क्यों माँग रहा था? • कितने साल से वह लन्गडा था? • मुख्य पद को पूरा करो, "यीशु मसीह नासरी के नाम...." **(प्रेरितो 3:6)** • इस अलौकिक कर्म ने यीशु के बारे में लोगों को क्या साबित किया? • पतरस ओर यूहन्ना को बन्दीगृह में क्यों रखा गया? • महासभा ने उन्हे क्या निर्णय सुनाया? • क्या हुआ जब परमेश्वर ने पतरस और यूहन्ना के दोस्तों की प्रार्थना का जवाब दिया?

A 8 कहानी 1

पतरस दोरकास के मदद करता है- यह कहानी दोरकास को फिर से जीवित करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • प्रभु यीशु की शक्ति पतरस के माध्यम से दोरकास के फिर से जीवित करने में मदद किया। • हम प्रभु यीशु पर विश्वास करके प्रतिक्रिया दिखाना चाहिए। **मुख्य पदः** **प्रेरितो 9:42** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 9:32-43**
प्रस्तुत करने	• उन तरीको के बारे में बात करे जहाँ हम ज़रूरतमन्द लोगों के साथ साझा करके उनका मदद कर सकते है। • प्रभु यीशु को प्यार करने वाली दयालु महिला के रूप में दोरकास को प्रस्तुत करे। इसके कारण उसने दूसरों का मदद करके और गरीबो केलिए कपडे सिलकर जीवन बिताया।
सिखाने	• एक दिन दोरकास बहुत बीमार होकर मर गई **(प्रेरितो 9:37)** *उसके दोस्तों को कैसे महसूस हुए होगे?* • दो ईसाई ने पतरस को ढूढने पास के याफा शहर गए। **(प्रेरितो 9:38, 39)** • पतरस तुरन्त ही दोरकास की घर पहुँचे **(प्रेरितो 9:40,41)** *समझाओ कि कैसे पतरस ने पहले प्रार्थना किया, उसके साथ बात किया, उसे हाथ देकर उसे उठाया। दोरकास अब जीवित थी! इस खुशी के मौके को उस दुख भरी समय से तुलना करो जब पतरस घर पहूँचे थे। यह एक अलौकिक कर्म था जिसे पतरस सिर्फ अपने अन्दर के प्रभु यीशु के शक्ति के द्वारा ही कर सकता था।* • अनेक लोगों ने प्रभु यीशु पर विश्वास किया **(प्रेरितो 9:42)** • *दोरकास को जीवित देख कर जैसे लोगों ने विश्वास किया उसी तरह हमें भी विश्वास करना चाहिए।* • *इसका व्याख्या करे-हमे एहसास होना चाहिए की वे परमेश्वर का पुत्र है, वे जीवित है और हमारे पापों को मिटाने का शक्ति उनको है। यीशु पर विश्वास करने का मतलब है कि हम पूरी तरह से उन पर भरोसा करते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**प्रेरितो 9:42** समझाओ कि वे प्रभु पर विश्वास क्यों किया? प्रभु पर विश्वास करना हमारे लिए महत्वपूर्ण क्यों है? एक व्यक्ति कैसे प्रभु पर विश्वास करते है।
याद करने	• दोरकास कहा रहती थी? • उसने दूसरों की मदद कैसे की? • उसने क्यों दूसरों को मदद किया? • दोरकास के मौत पर लोगों ने कैसा महसूस किया? • पतरस को ढुँढने कौन गए? • दोरकास के बिस्तार के पास घुटने टेक कर पतरस ने क्या किया? • पतरस ने दोरकास से क्या कहा? • दोरकस से बात करने के बाद पतरस ने क्या किया? • दोरकास को फिर से जीवित देखकर लोगों ने क्या किया? • मुख्य पद कहाँ पाया जाता है?

A 8 कहानी 2

पतरस का दर्शन - यह कहानी सभी केलिए परमेश्वर के प्यार के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • पतरस आज्ञाकारी था और परमेश्वर के वचन का पालन करता था। • परमेश्वर हर एक को प्यार करता है और चाहता है कि प्रभु यीशु का सुसमाचार हर कोई सुने। **मुख्य पदः** **यूहन्ना 3:16** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 10:9-23**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को चित्रों के सहायता से समझाओ कि विभिन्न देशों के लोग कैसे अलग है। • त्वचा के रन्ग, बालों, कपडे, भाषाओं के मतभेदो के बारे में बात करे। • परमेश्वर सबका सृष्टिकर्ता है। वे चाहता है कि हर एक व्यक्ति अपने बारे में और उसके पुत्र, प्रभु यीशु के बारे में जाने।
सिखाने	• जब पतरस याफा में प्रार्थना कर रहा था (A 8 कहानी 1 से कडी जोडो) परमेश्वर ने उनको सिखाया की वह हर किसी को प्यार करता है। **(प्रेरितो 10:9-16)** *लेवल 2 के बच्चों से स्पष्ट करो की पतरस को यह बात समझना बहुत ही मुश्किल था क्योंकि वे एक यहूदी था और अब तक वह सोचता था कि केवल यहूदी ही परमेश्वर केलिए महत्वपूर्ण थे। पतरस को यह समझना ज़रूरी था कि हर कोई परमेश्वर केलिए खास है।* • तीन लोग आकर पतरस से उनके साथ कुरनेलियुस के घर आने केलिए आमन्त्रित किया। **(प्रेरितो 10:17-22)** समझाओ कि कुरनेलियुस एक विशिष्ट रोमी सुबेदार था जो परमेश्वर के बारे में अधिक जानने केलिए उत्सुक था। कुरनेलियुस पतरस के तरह नही था और आमतोर पर पतरस वहाँ नही जाते। व्याख्या करो कि पतरस अब जानता था कि वहाँ जाना ही सही है। पतरस मे इतना बदलाव कैसे आया? (1)क्योंकि परमेश्वर ने उन्हे समझाया (2) पवित्र आत्मा उनका मार्ग दर्शन कर रहे थे। • पतरस 40 मील दुर कैसरिया में पतरस के घर पहूँचा **(प्रेरितो 10:23)** *इतने दुर यात्रा करना बहुत ही कठिन रहा होगा। लेकिन परमेश्वर का आज्ञा पालन करके पतरस निकल पडा।* • *स्पष्ट करो की परमेश्वर चाहता है कि हर एक यह जाने कि वे उन्हे प्यार करते है। उन्होने अपने पुत्र को हमारे पापों से उद्धार केलिए क्रूस पर मरने भेजा।* • *अगर आप पहले से ही प्रभु यीशु में विश्वास करते है तो आप दूसरों को उसके बारे में जानने में मदद कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**यूहन्ना 3:16**
याद करने	• पतरस किसके साथ रहता था? • दोपहर को पतरस क्या कर रहा था? • जब परमेश्वर ने पतरस से बात किया तो वे क्या चाहता था कि पतरस समझे? • कितने लोग पतरस को मिलने आए थे? • पतरस को किसे मिलने जाना था? • कुरनेलियुस क्या करता था? • पतरस ने दोरकास से क्या कहा? • पतरस ने कुरनेलियुस के घर क्यों गए? • परमेश्वर ने यह कैसे दिखाया कि वह दुनिया के हर किसी से प्यार करता है? इस कहानी को अभिनीत करे

A 8 कहानी 3

पतरस और कुरनेलियुस - यह कहानी परमेश्वर एक रोमन सुबेदार की रक्षा करने कि बारे में है।

	हम सीख रहे की : • कुरनेलियुस पहला युनानी था जो यीशु पर विश्वास किया। यह कैसे सम्भव हुआ। • जो कोई भी परमेश्वर पर विश्वास करता है उनके पापों को क्षमा करने केलिए वे तैयार है। **मुख्य पदः** **प्रेरितो 10:43** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 10:23-48**
प्रस्तुत करने	• क्योंकि यह पिछली कहानी की पुनरारम्भ है यह उचित होगा अगर कहानी 2 के प्रश्नोत्तरी का उपयोग करके पुनः अवलोकन करे। • ऐसे करने के बाद बच्चों को ऐसे एक उदाहरण दो जहाँ उनके समाज के लोग खबर सुनने केलिए इकट्ठे होते है।
सिखाने	• पतरस कुरनेलियुस का घर पहूँचता है **(प्रेरितो 10:24-33)** इस नज़ारे को दर्शाओ-पतरस को मिलने केलिए उत्सुक परिवार वालों और दोस्तों से भरा हुआ कुरनेलियुस का घर। पतरस को देखते ही कुरनेलियुस ने उसके पावों पर गिरकर प्रणाम किया। पतरस ने उसे मना किया क्योंकि एक साधारण व्यक्ति के सामने सिर झुकाना गलत है। फिर कुरनेलियुस ने व्याख्या किया की परमेश्वर ने उन्हे पतररस को मिलने केलिए कहा था। *आप बता सकते है कि परमेश्वर ऐसे एक मुलाकात केलिए उन दोनों को तैयार कर रहे थे।* • पतरस का सन्देश। **(प्रेरितो 10:34-43)** *विस्तार से बताऔ कि कैसे पतरस ने उन्हे बताया कि परमेश्वर चाहता है कि हर राष्ट्र के लोग उस पर विश्वास करें।* • उन तथ्वों के बारे में बात करे जो उन्होने उनसे प्रभु यीशु के बारे में बताया था- उसने अच्छे काम कैसे किए? लोगों को चन्गा किया? उसे मार दिया गया और परमेश्वर ने फिर उसे पुनर्जीवित किया। प्रभु एक दिन न्यायाधीश होगा लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जो लोग आज उन पर विश्वास करते है उसके पापों का क्षमा करने केलिए वह तैयार है। • सुननेवालो की प्रतिक्रिया **(प्रेरितो 10:44-48)** पतरस ने जो कुछ भी इन लोगों को बताया उसे समझने केलिए पवित्र आत्मा में उनके मदद किया। उन्होने प्रभु पर विश्वास करके अपने पापों से क्षमा प्राप्त किया। • *समझाओ कि जब हम प्रभु यीशु के बारे में सुसमाचार सुनते है हम भी इन लोगों कि तरह प्रतिक्रिया करना चाहिए। उस पर विश्वास करके हमे भी हमारे पापों से क्षमा प्राप्त कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**प्रेरितो 10:43**
याद करने	प्रश्नोत्तरी के जगह अच्छा होगा अगर बच्चे एक चार्ट पेपर पर मुख्य पद लिखे और उसके चारों और अपने चित्र या परचे पर नाम लिखकर चिपकाएँ।

A 8 कहानी 4

पतरस की बचाव - यह कहानी परमेश्वर प्रार्थना के उत्तर देने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • पतरस के दोस्तों ने उनके लिए प्रार्थना किया। • हमारे प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर खास कार्य कर सकते है। **मुख्य पदः** **याकूब 5:16** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 12:1-19**
प्रस्तुत करने	• हमारे दोस्तों से टेलिफोन द्वारा बात करने या किसी से मदद माँगने के बारे में बात करें। • प्रार्थना को परमेश्वर से बात करने से सन्कल्प करे। परमेश्वर प्रत्यक्ष रूप से हमे जवाब नही देते। लेकिन वह हमेशा सुनता है। प्रार्थना के उत्तर देने केलिए वे सक्षम है। • आज की कहानी में दोस्तों के झुण्ड ने एक अहम कार्य के बारे में परमेश्वर से प्रार्थना की।
सिखाने	• पतरस बन्दीगृह में। **(प्रेरितो 12:1-4)** राजा हेरोदेस यीशु के शिष्यों को नफरत करता था। याकूब का वध किया गया। बाद में पतरस को गिरफ्तार करके बन्दीगृह में डाल दिया। याद करो कि पिछले बार पतरस के साथ ऐसा कब हुआ था। **(प्रेरितो 5: A/ 7 कहानी 3)** • पतरस के दोस्तों की प्रार्थना **(प्रेरितो 12:5)** *चर्चा करो कि यह सबसे अच्छी बात क्यों थी।* • बन्दीगृह से मुक्त। **(प्रेरितो 12:6-10)** यह पतरस की सुनवाई से पहले की रात थी। पतरस दो सिपाहियों के बीच ज़जीरो से बन्धा हुआ था लेकिन वह गहरी नीन्द में था। *विवरण करो कि स्वर्गदूत ने कैसे नाटकीय रूप से पतरस को मुक्त किया था। पतरस को लगा की वह सपना देख रहा था।* • पतरस अपने दोस्तो के घर। अन्त में जब पतरस गली में पहूँचा वह समझ गया कि परमेश्वर ने उसे बचा लिया था। *अब पतरस कैसे महसूस कर रहा होगा?* तुरन्त ही वह अपने दोस्त के घर गए **(प्रेरितो 12:11-17)** उस वारदात के बारे में विवरण करो। जब पतरस के दस्तक पर रूढे ने दरवाज़ा खोला था। क्या उन्हे आश्चर्यचकित होना चाहिए था? • *उन परिस्थितियो पर चर्चा करे जब हम परमेश्वर से प्रार्थना कर सकते है। परमेश्वर हमेशा उत्तम तरीके से हमारी प्रार्थना का उत्तर देंगें।* • *जब परमेश्वर हमारी प्रार्थना का उत्तर देता है हमें उनका धन्यवाद करके स्तुति करना चाहिए।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**याकूब 5:16**। यह पद हमें बताती है कि हमारी प्रार्थना वास्तव में एक अन्तर ला सकती है।
याद करने	• पतरस को बन्दीगृह किसने डाला था? • राजा हेरोदेस किसका हत्या किया था? • जब परमेश्वर ने स्वर्गदूत को उनके पास भेजा तब पतरस क्या कर रहा था? • पतरस के दोस्त इकट्ठे क्यों थे? • स्वर्गदूत ने पतरस को क्या करने को कहा? • पतरस बन्दीगृह के फाटक से कैसे बाहर निकला? • जुदा होने से पहले स्वर्गदूत ने पतरस के साथ कितने दुर तक चला? • वह किसका घर गया? • पतरस को दरवाज़ा पर किसने देखा? • रूढे ने पहले दरवाज़ा क्यों नही खोला? जोडों में उस भाग का नाटकीय दुश्य प्रस्तुत करें जहाँ पतरस बन्दीगृह से मुक्त होता है।

A 9 कहानी 1

याकूब अपने भाई को धोखा दिया- यह कहानी खुदगर्ज़ होने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • खुदगर्ज़ होने का मतलब है दूसरों को कष्ट पहूँचाकर भी अपने आप को अहमियत देना। • याकूब की तरह हम भी स्वार्थी हो सकते है और यह परमेश्वर के विरुद्ध पाप है। **मुख्य पद: उत्पत्ति 25:28 या फिलिप्पियों 2:3** **बाइबल पाठ: उत्पत्ति 25:19-34**
प्रस्तुत करने	• क्या आप किसी जुडवे बच्चों को जानते हो? व्यक्तित्व और रंग-रूप में क्या वे अलग या एक समान दिखते है? क्या आप कभी अपने भाई-बहन से लडते है? • खुदगर्ज़ होने का मतलब क्या है? क्या आप ऐसे कोई मौके के बारे में याद कर सकते है जब किसी ने स्वार्थी ढंग से बरताव करके आपको दुख पहूँचाया है। • यह कहानी उन दो भाईयों के बारे में है जिसके आपस का सम्बन्ध अच्छी नही थी। एक ने सिर्फ अपने बारे में सोचा और अपने भाई को धोखा दिया।
सिखाने	• इसहाक और रिबका जुडवा बच्चो के इन्तज़ार में थे। बच्चों के जन्म के पहले परमेश्वर ने रिबका से कहा की बडा बेटा छोटे की सेवा करेंगे **(उत्पत्ति 25:19-23)** • जब जुडवाँ पैदा हुए यह स्पष्ट था कि वे बहुत भिन्न होने जा रहे थे। बडा बेटा एसाव रोममय था लेकिन याकूब चिकने चमडे वाला था **(उत्पत्ति 25:24-26)** वे भिन्न चीज़ों को पसन्द करते थे- एसाव एक चतुर शिकारी बना और याकूब घर में रहना पसन्द करता था। इसहाक एसाव को पसन्द करता था लेकिन रिबका याकूब को चाहता था। **(उत्पत्ति 25:27,28)** • एक दिन याकूब दाल पका रहा था और एसाव शिकार केलिए निकला। बच्चों को इस नज़ारे की कल्पना करने में मदद करें- थका और भूका एसाव, स्वादिष्ट दाल की सुगन्ध उसे तुरन्त थोडा चाहिए था। लेकिन याकूब बडा चालाक था। तुरन्त उसने कहा की दाल उसे तभी मिलेगा जब वह अपना पहिलौठे अधिकार बदले में उन्हे देंगे। *पहिलौठे अधिकार के बारे में उन्हे समझाओ आम तौर पर पहिलौठे अधिकार बडे बेटे को मिलता है। इसका मतलब पिता के निधन के बाद सारा अधिकार उन्हे मिलेंगा और दोलत का दुगुना हिस्सा भी मिलेंगे।* • एसाव ने सोचने केलिए एक पल भी नही लिया। क्योंकि वह बहुत भूखा था। वह अपने भाई के चालाकी में फसा और अपना अधिकार उसे दिया। **(प्रेरितो 25:29-34)** *दोनो के बरताव के बारे में चर्चा करो। याकूब ने जो किया वह क्या सही था? क्या एसाव का अपना अधिकार को ऐसे बेचना सही था?* • *क्या आपको लगता है कि परमेश्वर याकूब और एसाव से प्रसन्न थे?* • *अकसर हम याकूब और एसाव कि तरह हम सिर्फ अपने बारे में सोचते है। जब हम मतलबी होते है तब हम परमेश्वर के खिलाफ पाप कर रहे है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**उत्पत्ति 25:28; फिलिप्पियो 2:3**
याद करने	• कहानी में दो लडको के नाम क्या थे? • दो चीज़ों बताओ जिसमे लडके भीन्न थे? • पहिलौठे अधिकार क्या होता है? • याकूब पहिलौठे अधिकार को क्यो चाहता था? • याकूब ने एसाव को कौसे धोखा दिया? • हम इस कहानी से क्या सबक सीख सकते है?

A 9 कहानी 2

याकूब पिता को धोखा देता है- यह कहानी इस बारे में है कि कैसे याकूब ने धोखा दिया।

	हम सीख रहे की : • रिबका और याकूब इसहाक को धोखा देना चाहते है। • धोखेबाज़ी और झूठ परमेश्वर के आँखो में गलत है। **मुख्य पदः** **उत्पत्ति 27:20 या भजन संहीता 32:2** **बाइबल पाठः** **उत्पत्ति 27:1-29**
प्रस्तुत करने	• झूठ बोलने का मतलब क्या है? • इस कहानी में याकूब अपने पिता से झूठ बोलता है और इस झूठ से उनके पिता और भाई को बहुत दुख पहुँचाया। • क्या आप किसी और कहानी जानते हो जहा किसी के झूठ ने दुसरे को दुख पहुँचाया है?
सिखाने	• इसहाक बूढा और अन्धा था। वह अपनी मृत्यु से पहले अपने बडे बेटा एसाव को आर्शीवाद देना चाहता था। उसने एसाव से विशिष्ट भोजन तैयार करने को कहा। **(उत्पत्ति 27:1-4)** • रिबका ने चुपके से सब सुन लिया था कि इसहाक एसाव को आर्शीवाद देने वाले हे इसलिए उसने याकूब के साथ मिलकर इसहाक को चकमा देने का योजना बनाया जिससे एसाव के जगह याकूब को आर्शीवाद मिले। फिर रिबका ने एक विशिष्ट भोजन तैयार किया और बकरियों के खालों को याकूब की हाथों और गले में लिपटा दिया। ताकि वह एसाव के तरह रोममय लगे। **(उत्पत्ति 27:5-17)** *बच्चों को याद दिलावो की हर एक माता-पिता को अपने पसन्दिदा बच्चे होते है। इसके कारण परिवार में बहुत सारे परेशानियाँ हो सकते है और ऐसा करना अन्यायी भी है।* • याकूब ने जाकर इसहाक को भोजन दिया। उसने अपने पिता से झूठ बोला और एसाव होने का नाटक किया। इसहाक हैरान था यह सोचकर कि एसाव ने इतनी जल्दी भोजन का प्रबन्ध कैसे किया। **(उत्पत्ति 27:18-20)** *क्या आपको लगता है कि परमेश्वर रिबका और याकूब के कारनामे से प्रसन्न थे?* • इसहाक फिर भी शक्की थे। क्या यह असल में एसाव था? वह यह सुनिश्चित करना चाहता था इसलिए उसने याकूब के हाथों को महसूस किया। हाथ थो एसाव के तरह था लेकिन आवाज़ याकूब कि तरह। इसहाक उलझन में पडा लेकिन याकूब ने फिर झूठ बोल कर कहा कि वह एसाव ही था। **(उत्पत्ति 27:21-24)** • इसहाक ने याकूब से लाया भोजन को खाया। खतम करने के बाद उसने याकूब को आर्शीवाद दिया, यह सोचते हुए कि वह एसाव था **(उत्पत्ति 27:25-29)** *बाद में जब इसहाक को पता चला कि उससे झूठ बोला गया था उसे कैसा महसूस हुआ होगा।* • *परमेश्वर ने हमे झूठ न बोलने का आदेश क्यों दिया?* • *प्रभु यीशु के उदाहरण पर विचार करे।*
सीखने	**बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।** मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**उत्पत्ति 27:20 और भजन संहिता 32:2**
याद करने	• इसहाक का पसन्दीदा पुत्र कौन था? • रिबका का पसन्दिदा पुत्र कौन था? • अपने मृत्यु के पहले इसहाक एसाव को क्या देना चाहता था। • क्या रिबका चाहती थी कि एसाव को आर्शीवाद मिले? क्यों? • रिबका और याकूब ने इसहाक को धोखा कैसे दिया? • इसहाक याकूब को क्यों पहचान नही पाया? • क्या आपको लगता है कि इस कहानी में रिबका और याकूब ने परमेश्वर को प्रसन्न किया? क्यों?

A 9 कहानी 3

याकूब और परमेश्वर का मिलन - यह कहानी परमेश्वर की परवाह के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • हम परमेश्वर पर भरोसा कर सकते है क्योंकि वह अपना वादा हमेशा पूरा करता है। • परमेश्वर हमारा परवाह करता है। **मुख्य पद:** **उत्पत्ति 28:16 या भजन संहीता 86:11** **बाइबल पाठ:** **उत्पत्ति 28:1-22**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को याद दिलाए कि पिछली कहानी में कैसे याकूब ने एसाव को धोका दिया था। एसाव कुपित था और वह याकूब को मारना चाहता था। याकूब ने घर छोडने का फैसला किया। • बच्चों से खुद को याकूब होने की कल्पना करने को कहो। अगर आपको इस तरह से घर छोडना पडे तो आपको कैसा महसूसा होगा? • बच्चों को समझाओ कि हालाकि याकूब ने अनेक गलत काम किया था लेकिन परमेश्वर अभी भी उसके परवाह करता था और प्यार भी करता था। यह कहानी हमे बताती है कि कैसे परमेश्वर ने स्वयं याकूब के सामने प्रकट किया था।
सिखाने	• इसहाक ने याकूब को आर्शीवाद दिया और घर छोडकर हारान में मामा लाबान को जाकर मिलने कि निर्देश दिया। वहाँ वह अपनी पत्नी से मिलने वाला था। **(28:1-5)** • इस सफर के दौरान याकूब रात को आराम करने केलिए रुका। उसने एक पत्थर को तकिया बनाया। *कल्पना करो कि यह कैसा अनुभव होगा।* जब वह सो रहा था उसने एक सपना देखा। उसमे एक सीढी जो पृथ्वी से स्वर्ग तक पहूँचा है और स्वर्गदूत उस पर से चढते और उतर रहे थे। **(28:10-12)** • परमेश्वर उस सीढी के सिरे पर खडा था। उसने याकूब को आर्शीवाद दिया कि उसे एक बडा वंश होगा। परमेश्वर याकूब के साथ होने का वादा किया। एक दिन परमेश्वर याकूब को फिस से घर वापस लाएगा। **(28:13-15)** *वादा के बारे में चर्चा करो? क्या हम हमेशा हमारे वादे रखते है? बच्चो को समझाओ कि परमेश्वर हमेशा अपना वादा निभाता है।* • जब याकूब जाग उठा वह समझ गया कि असल में परमेश्वर उस जगह में था। *याकूब अपने जीवन में अनेक गलतियाँ किया था जो परमेश्वर को बिल्कुल पसन्द नहीं था। लेकिन अब भी परमेश्वर उसका परवाह करता था। फिर उसने उस पत्थर को लिया जिसे उसने तकिया केलिए इस्तमाल किया और उस पर तेल डाला।* उसने उस जगह का नाम बेतेल रखा। याकूब ने वादा किया कि अगर परमेश्वर उसका साथ रहकर उसे धर वापस लाएगा तो यहोवा को वह परमेश्वर मानेंगें। याकूब को अब भी यह जानने की आवश्यकता है कि भगवान हमेशा अपने वादे को रखता है। • *हम भी याकूब के तरह है क्योंकि हमने भी कई गलत काम किए हे। लेकिन परमेश्वर हम से हर एक को याकूब के तरह प्यार करता है और परवाह भी करता है। समझाओ कि परमेश्वर ने अपने पुत्र को क्रूस पर मरने को भेजा। प्रभु यीशु उस 'सीडी' के तरह है जो हमे स्वर्ग में परमेश्वर तक ले जाऐंगे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**उत्पत्ति 28:16 और भजन संहिता 86:11**
याद करने	• याकूब को घर क्यों छोडना पडा? • याकूब तकिये केलिए क्या इस्तमाल किया? • याकूब ने सपने में क्या देखा? परमेश्वर ने उससे क्या कहा? • याकूब के गलतियों के बावजूद क्या परमेश्वर उसे अभी भी प्यार करता था? • हम कैसे जानते है कि भगवान हमारा परवाह करता है? • याकूब ने उस पत्थर के साथ क्या किया? • प्रभु यीशु उस सीढी के तरह कैसे है?

A 9 कहानी 4

याकूब को पत्नी मिलता है - यह कहानी याकूब के साथ उसके नाना का व्यवहार के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • धोखेबाज़ याकूब खूद धोखा खा गया। • हम दुसरे से वैसे ही व्यवहार करनी चाहिए जैसे हम चाहते है की वे हमारे साथ करे। **मुख्य पदः उत्पत्ति 29:28 और गलतियों 6:7** **बाइबल पाठः उत्पत्ति 29:1-30**
प्रस्तुत करने	• क्या आपने कभी एक ऐसे परिवार के साथ रहने केलिए गए है जिसे अपने पहले कभी नही मिला हो? आप का अनुभव कैसा था? उस वक्त का कोई एक घटना के बारे में बताएँ। बच्चों को याद दिलाए की याकूब अपने चाचा के साथ हारान में रहने जा रहा था। • कुछ नए किरदार को प्रस्तुत करेः लाबान और उसकी बेटियाँ, लिआ और राहेल। • इस कहानी में याकूब को यह पता लगता है कि धोखा खाने का एहसास क्या होता है।
सिखाने	• याकूब हारान के रास्ते में था। सफर के अन्त में वे कुछ चरवाहों से कूएँ के पास मिले । वे अपने मामा लाबान को जानते थे **(उत्पत्ति 29:1-8)** • लाबान के बेटी राहेल कुछ भेड-बकरियों को लेकर कूएँ के पास पहूँचा। याकूब ने कूएँ के मूँह से पत्थर हटाकर पानी लेने में मदद किया। **(उत्पत्ति 29:9-10)** • *याकूब ने राहेल को अपना पहचान बताया। वह दौडकर अपने पिता को खबर दिया और लाबान ने याकूब को उसके साथ रहने केलिए आमन्त्रित किया।* ***(उत्पत्ति 29:11-14)*** *उनके आपस के बातचित के बारे में कल्पना करे।* • याकूब लाबान केलिए काम करना शुरु कर दिया। राहेल को अपनी पत्नी के रूप में प्राप्त करने केलिए सात साल याकूब ने वहाँ काम किया। वह ऐसा करने केलिए तैयार था क्योंकि वह राहेल को प्यार करता था **(उत्पत्ति 29:15-20)** • लेकिन तब लाबान ने याकूब को धोखा दिया। राहेल के जगह उसने लिआ को पत्नी के रूप में दिया। **(उत्पत्ति 29:21-27)** *जब उसने देखा कि उसे धोखा दिया गया है तब उसने कैसे महसूस किया होगा? बच्चों से उन तरीकों को याद करने कहे जिससे याकूब ने दूसरों को धोखा दिया था।* • याकूब ने राहेल से भी शादि किया लेकिन फिर सात साल काम करना पडा। **(उत्पत्ति 29:29-30)** ऐसे लगता है लाबान ने याकूब को पूरी तरह से चकमा दिया था। • *क्या आपको लगता है कि याकूब को अपने करतूतों पर पछतावा हुआ होगा?* • *कई लोगों को लगता है कि याकूब को वह मिला जिसका वह लायक था। बच्चों से इसके बारे में चर्चा करे।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**उत्पत्ति 29:28 और गलतियाँ 6:7**
याद करने	• लाबान कहाँ रहता था? • लाबान की बेटियों का नाम क्या था? • हारान पहुँचकर याकूब ने राहेल का मदद कैसे किया? • याकूब को किस बेटी से प्यार था? • राहेल को पत्नी के रूप में मिलने केलिए याकूब कितने साल काम करने तैयार था? • लाबान ने याकूब को कैसे धोखा दिया?

A 10 कहानी 1

स्तिफनुस प्रभु यीशु केलिए प्राण देता है - यह कहानी प्रभु यीशु केलिए स्तिफनुस के महान प्रेम के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • स्तिफनुस परमेश्वर से प्यार करता था और अपने दुशमनों से भी प्यार करता था। • *जब स्तिफनुस पर पथराव हो रहा था तब यीशु स्तिफनुस के साथ ही था और स्वर्ग में उसका इन्तज़ार कर रहा था।* **मुख्य पदः** **1 यूहन्ना 4:19** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 6:8-15; 7:54-60**
प्रस्तुत करने	• बच्चो से ऐसे समय के बारे में पूछो जब उन्होने किसी की मदद किया है। • अगर आप किसी की मदद करने की कोशीश करते है और वे इन्कार करे तो आपको कैसा लगेगा? क्या होगा अगर उन्होने गाली- गलौज किया और आपको ठेस पहूँचाने का भी कोशिश कि? • आज की कहानी बाईबल के ऐसे एक व्यक्ति के बारे में हे जो दूसरो का मदद करता था। चलो पता करते है कि दूसरों ने उसके साथ कैसे बरताव किया।
सिखाने	• स्तिफनूस प्रभु यीशु से प्यार करता था। उन्होने दुसरों को मदद करने केलिए कई अलौकिक कर्म किए। लेकिन कुछ यहूदी लोग उसे या यीशु को पसन्द नही करते थे। उन्होने चुपके से उसे नुकसान पहूँचाने का निर्णय लिया। क्योंकि वे उसे यीशु के बारे में लोगों को बताने से रोकना चाहते थे। **(प्रेरितो 6:8-11)** • इन लोगों ने स्तिफनूस के बारे में झूठ कहा और लोगों को भडकाया और उसे पकडकर महासभा के सामने ले आया ताकि अदालत यह तय कर सके कि उन्के साथ क्या किया जाएँ। उन्होने झुठे गवाह भी खडे किए **(प्रेरितो 6:12-15)** • भले ही यीशु और स्तिफनूस के बारे में झुठ बोले जा रहे थे फिर भी स्तिफनूस कभी नाराज़ नही हुआ। लोग देख सकते थे कि यीशु उसका साथ था- उसल में उसका चेहरा स्वर्गदूत जैसा दिखा **(प्रेरितो 6:15)** स्तिफनूस ने यीशु का समर्थन किया और इसके कारण लोग और क्रोधित हो गऐ **(प्रेरितो 7:54)** डरने के बजाय स्तिफनूस ने स्वर्ग के और देखा और यीशु को वहाँ खडा हुआ देखा। **(प्रेरितो 7:55-56)** *यीशु को देखकर स्तिफनूस ने कैसा महसूस किया होगा?* • लोग स्तिफनूस पर अधिक क्रोधित हो जाते है आगे कुछ और सुनने से इनकार करते है। उन्होने स्तिफनूस को नगर के बाहर ले गया और मारने केलिए उस पर पथराव करने लगे। इस सबके बीच में स्तिफनूस ने प्रार्थना किया, ताकि यीशु उनके आत्मा को ग्रहण करे और उन लोगों को माफ करे। यह कहने के बाद वह मर गया। **(प्रेरितो 7:57-60)** • *मरने के पहले स्तिफनूस ने परमेश्वर से अपने विरोधियों केलिए कुछ माँगा- उसने ऐसा क्यों किया होगा?* • *हमारे बुरे काम केलिए हमे कैसे क्षमा मिल सकते है?* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**1 यूहन्ना 4:19** व्यक्त करो कि स्तिफनूस ने प्रभु यीशु केलिए अपनी प्राण देकर उनके लिए अपने प्यार का प्रदर्शन किया। प्रभु यीशु ने पहले ही स्तिफनूस केलिए क्रूस पर प्राण देकर अपना प्यार दिखाया था।
याद करने	• स्तिफनूस कलिसिया में सेवक थे वह सेवा कैसे करता था? • क्या सभी लोग स्तिफनूस को प्यार करते थे? क्यों नही? • यहूदी ने लोगों को स्तिफनूस के खिलाफ कैसे भडकाया? • यीशु और अपने खिलाफ कहे गए झुठ सुनकर स्तिफनूस ने क्या किया? • जब स्तिफनूस ने स्वर्ग के और आखँ उठाया अब उसने क्या देखा? • लोगों ने स्तिफनूस के साथ क्या किया? • स्तिफनूस ने क्या प्रार्थना किया? • हमे कैसे क्षमा मिल सकते है?

A 10 कहानी 2

फिलिप्पुस सुसमाचार बाँटता है- यह कहानी एक कूशी व्यक्ति प्रभु यीशु पर विश्वास करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • हमारी पापों से क्षमा पाने केलिए प्रभु यीशु पर विश्वास करना जरूरी है। • *परमेश्वर अपने वचन- बाइबल के कठिन हिस्सों को समझने में हमारी मदद करता है।* **मुख्य पदः** **प्रेरितो 8:35** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 8:26-40**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से पूछो कि रेगिस्तान कैसा है। यह कैसे दिखता है? वहाँ कैसा महसूस होगा? अगर आप से रेगिस्तान जाकर एक अजनबी से बात करने को कहा जाए, क्या आप चले जाऐंगे? • एक ऐसे घटना की याद करो जब आपको कुछ समझना मुश्किल हुआ हो, आपका मदद किसने किए?
सिखाने	• फिलिप्पुस ने यीशु पर विश्वास किया औऱ नगरों और शहरों में सुसमाचार का प्रचार किया। एक दिन स्वर्गदूत ने उसे रेगिस्तान के ओर चलने को कहा। फिलिप्पुस के मन में क्या चल रहा होगा? *विवरण करो कैसे फिलिप्पुस ने अपने तरफ एक रथ को आते हुए देखा वह क्रूश से एक विशिष्य व्यक्ति था।* **(प्रेरितो 8:26-28)** *कूशी व्यक्ति को किसके बारे में सुनना ज़रूरी था?* • पवित्र आत्मा ने फिलिप्पुस को रथ के पास जाने को कहा। वह पुराने नियम के यशायाह के पुस्तक ज़ोर से पढ रहा था। फिलिप्पुस ने उससे पूछा कि जो वे पढ रहा है क्या वे उसे समझता है। लेकिन कूशी व्यक्ति उलझा हुआ था। **(प्रेरितो 8:29-31)** *उस भाग में भेड कि तरह वध किए जाने वाले व्यक्ति के बारे में कहा गया है। (समझाओ कि जब भेड को कसाईखाना में ले जाया जाता है तो भेड कोई हलचल नही मचाता। फिलिप्पुस ने समझाया कि वह पद यीशु हमारे लिए क्रूस पर मरने के बारे में है। मरने केलिए यीशु कि तत्परता के बारे में है। मरने केलिए यीशु कि तत्परता के बारे में विस्तार से समझाओ।* • कूशी व्यक्ति को एहसास हो गया कि वह पापी है और उद्धार पाना ज़रूरी है। बिना देर किया उसने विश्वास किया कि मसीह उनके लिए मरा था। **(प्रेरितो 8:32-35)** • फिलिप्पुस ने उसे बपतिस्मा दिया और दिखाया कि वह अब यीशु का अनुयायी है। *(बपतिस्मा को विस्तार से समझाओ) उनके जीवन में आए खुशी और परिवर्तन को व्यक्त करो।* • पवित्र आत्मा ने फिलिप्पुस को उठा ले गया ताकि वे दूसरे लोगों को भी सुसमाचार सुनाए **(प्रेरितो 8:36-40)** • *परमेश्वर चाहता है कि हर एक यह जाने कि यीशु ने उनके पापों केलिए क्रूस पर मरा। उन लोगों के बारे में बात करे जो सुसमाचार के प्रचार करता है। हमें आभारी होना चाहिए कि हमने भी सुसमाचार सुना है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो -**प्रेरितो 8:35**
याद करने	• स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस को कहाँ जाने को कहा? • वह व्यक्ति किस देश से था? • फिलिप्पुस ने उनके पास क्यों गया? • वे किस भाग से पढ रहा था? • फिलिप्पुस ने जब यीशु के बारे में समझाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया? • उनका बपतिस्मा कहाँ हुआ? • घर वापस जाते वक्त वह कैसा महसूस कर रहा था? • हमारे पापों से हमें उद्धार कैसे मिलेंगे?

A 10 कहानी 3

शाऊल और एक चमकती ज्योति- यह कहानी जीवन में परिवर्तन लानेवाले परमेश्वर की शक्ति के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु हर किसी से प्यार करता है और सभी केलिए अपना प्राण दिया। • *केवल यीशु को हमारे जीवन में परिवर्तन लाने का शक्ति है।* **मुख्य पदः** **2 कुरिन्थियों 5:17** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 9:1-9**
प्रस्तुत करने	• शाऊल एक यहूदी था जो यीशु से और उनके शिष्यों से नफरत करता था। और वे शिष्यों को मार डालना चाहता था। व्यक्त करो कि वह स्तिफनूस के पथराव के वक्त भी वहाँ मौजूद था • बच्चों से पूछो कि क्या वे शाऊल को अपने मित्र बनाने पसन्द करेंगे? क्यों नही?
सिखाने	• एक दिन शाऊल चेलों को गिरफ्तार करने दमिश्क के और जा रहा था। **(प्रेरितो 9:1,2)** *रास्ते पर शाऊल की भावनाओं और व्यवहारों के बारे में चर्चा करे।* • दमिश्क के निकट पहूँचते ही उनके चारों ओर ज्योति चमकी और वह गिर पडा। *शाऊल से क्या कहा गया और उसका जवाब क्या था?* **(प्रेरितो 9:3-4)** • उस शब्द ने उत्तर दिया कि वह यीशु है। शाऊल को अब क्या एहसास हुआ - यीशु परमेश्वर का पुत्र था और वे अब जीवित था। यीशु के बारे में उनके सारे विचार गलत थे। यीशु ने उसे दमिश्क जाने केलिए कहा, जहाँ उसे बताया जाएगा कि आगे क्या करना है। शाऊल के साथियों आश्चर्यचकित रह गए क्योंकि उन्होने शब्द तो सुना लेकिन किसी को नही देखा **(प्रेरितो 9:5-7)** • जब शाऊल उठा तो वह अन्धा था और उसे शहर ले जाना पडा। तीन दिन केलिए वह अन्धा था और कुछ थी न खाया और पीया। **(प्रेरितो 9:8-9)** *अन्धा होने पर उसे कैसे महसूस हुआ होगा?* • *चर्चा करो कि प्रभु यीशु ने उन्हे रास्ते में क्यों मिले? बच्चों को याद दिलावो कि शाऊल यीशु औऱ उनके चेलों से नफरत करते थे और चेलों को मार डालना भी चाहता था। लेकिन यीशु उसे प्यार करता था और चाहता था कि वह उसका अनुयायी बने, भले ही वह उस केलिए योग्य नही हो। प्रभु यीशु उनके जीवन में परिवर्तन लाने चाहता था।* • *हमारे पापों को मिटाने और नए जीवन जीने के शक्ति केलिए यीशु की ज़रूरत है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **2 कुरिन्थियों 5:17** इसे सिखाएँ और सम्बन्धित करे शाऊल की पिछली जीवन से और इस हकीकत से कि जब कोई 'मसीह में है' तब उनके जीवन बदल के नया बन जाएँगें।
याद करने	• शाऊल कहाँ जा रहा था? • वे इस सफर में क्यों जा रहे थे? • उसने क्या देखा? • उसने क्या सुना? • उस शब्द ने क्या कहा? • जब शाऊल को पता चला कि यीशु उससे बात कर रहा है तब उसने क्या एहसास किया? • शाऊल ने तीन दिन तक क्या नही किया? • वह एकमात्र व्यक्ति कौन है जो हमे एक नया जीवन जीने की शक्ति दे सकता है।

A 10 कहानी 4

शाऊल का परिवर्तन - यह कहानी परमेश्वर अपने सुसमाचार के प्रचार केलिए शाऊल का उपयोग करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर हमारी मदद करना चाहता है और ज़रूरत होने पर लोगों को हमारे सहायता केलिए भेजता है। • *शाऊल की तरह आज भी परमेश्वर लोगों के जीवन में परिवर्तन लाता है ताकि वे हमें उपयोगी बना सके।* **मुख्य पदः** **प्रेरितो 9:20** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 9:10-23**
प्रस्तुत करने	• शाऊल की कहानी के पहले भाग की समीक्षा करे- पुराना शाऊल कैसा था? दमिश्क के चेलों को वह पुराने शाऊल के बारे में विचार क्या था? • परमेश्वर को उन्हे तैयार करने की आवश्यकता था ताकि वह नए शाऊल को परमेश्वर की परिवार का हिस्सा मान कर उसका स्वीकार करे।
सिखाने	• परमेश्वर ने सपने में हनन्याह से शाऊल के पास जाने को कहा **(प्रेरितो 9:10-12)** *क्या आपको लगता है हनन्याह जाना चाहता था? क्यों नही?* • हनन्याह को डर था कि शाऊल उसे गिरफ्तार करेंगें या मार डालेंगे। परमेश्वर ने उसे निश्चिन्त रहने को कहा क्योंकि उसने शाऊल को अपने सुसमाचार के प्रचार केलिए चुना था। **(प्रेरितो 9:13-16)** • हनन्याह ने आज्ञाकारी होकर शाऊल के पास गया। और उसे भाई पुकारकर बताया कि प्रभु यीशु ने उसे भेजा था। उसने शाऊल को आँखों पर हाथ रका और वह देखने लगा। शाऊल पवित्र आत्मा से भर गए। फिर उसने बपतिस्मा लिया और भोजन किया। **(प्रेरितो 9:17-19)** • फिर शाऊल ने दमिश्क के अन्य चेलो से मिले। तुरन्त ही परमेश्वर के बारे में प्रचार करना शुरू किया। *दमिश्के में शाऊल से मिले लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में समझाओ।* • जो यहूदी शाऊल के परिवर्तान के बारे में सुना था उसे शाऊल का भाषण बिल्कुल पसन्द नही था इसलिए वे उसे मारने का योजना बना रहा था। शाऊल दमिश्क में से टोकरे में बैठकर रात को भाग निकला। **(प्रेरितो 9:19-25)** • *हमारे पापों को मिटाने और नए जीवन जीने के शक्ति केलिए यीशु की ज़रूरत है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **प्रेरितो 9:20**
याद करने	• परमेश्वर ने हनन्याह से कैसे बात किया? • शाऊल के पास जाने से हनन्याह क्यों डरता था? • हनन्याह के हाथ रकने पर शाऊल कि आँखों को क्या हुआ? • हनन्याह से मुलाकात के बाद शाऊल को और क्या उपहार मिला? • शाऊल ने तुरन्त क्या करना शुरू कर दिया? • शाऊल को एक टोकरी में बैठकर क्यों बच निकलना पडा? • शाऊल की तरह आपके जीवन में परिवर्तन कैसे आ सकता है?

A 11 कहानी 1

पौलूस (शाऊल) अन्ताकिया में - यह कहानी परमेश्वर के काम में मदद करने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • जो लोग यीशु में विश्वास करते है उन्हे मसीही कहा जाता है। • *जब हम परमेश्वर पर विश्वास करते है तो उनके पास हमारे लिए एक विशेष योजना है।* **मुख्य पदः प्रेरितो 11:26** **बाइबल पाठः प्रेरितो 11:19-26**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से पूछो कि विभिन्न प्रस्थितियों में वे कैसे मदद कर सकते है- आप अपने शिक्षक की मदद कैसे कर सकते है? यदि आपकी माँ बिमार है आप घर पर कैसे मदद करेंगे? • समझाओ कि आज की कहानी परमेश्वर के काम में एक साथ मदद करनेवाले दो आदमियों के बारे में है।
सिखाने	• यीशु की सुसमाचार फैल रही थी और परमेश्वर का कलिसिया बढने लगा। कुछ विश्वासियों ने अन्ताकिया नामक शहर में रहने गए। वहाँ उन्होने उन लोगों को सुसमाचार बताया जिन्होने पहले कभी यह सुना नही था और कई लोग यीशु में विश्वास करने लगे। **(प्रेरितो 11:19-21)** जल्द ही यरुशलेम की कलीसिया ने अन्ताकिया में हो रहे महान कार्य के बारे में सुना। यह सुनकर विश्वासियों को कैसा महसूस हुआ होगा? इसके बारे में अधिक जानने केलिए उन्होने बरनाबास को भेजने का फैसला किया। वहाँ पहूँचकर उन्होने अनेक विश्वासियों को देखकर वे बहुत प्रसन्न हुए उन्हे उपदेश दिया और यीशु को प्यार करने केलिए प्रोत्साहित किया। **(प्रेरितो 11:22-24)** *बरनबास कैसा व्यक्ति था?* • बरनाबास अन्ताकिया में इतना व्यस्त हो गया कि उन्हे एक सहायक की ज़रूरत पडा। पररमेश्वर ने उन्हे शाऊल के बारे में याद दिलाया जिसे उन्होने कई साल पहले मिल चुके थे। प्रभु यीशु से मिलने के बाद शाऊल तरसुस नामक उस शहर में गए जहाँ वह पैदा हुआ था। बरनाबास ने तरसूस जाकर शाऊल को अपने साथ अन्ताकिया ले आया ताकि वह उसे अपने काम में मदद कर सके। **(प्रेरितो 11:25-26)** • *समझाओं की अन्ताकिया शाऊल (पौलूस) केलिए खास जगह था क्योंकि उसने अपना धर्म-प्रचार की शुरुआत यही से किया था।* शाऊल और बरनाबास एक साल वहाँ रहकर विश्वासियों को उपदेश देते रहे। उस समय के दौरान पहले भार प्रभु यीशु के विश्वासियों को मसीही कहलाए गए। **(प्रेरितो 11:26)** • *जब हम यीशु पर विश्वास करते है तो हमे भी मसीही कहलाया जाता है। जैसे पौलूस केलिए था असी तरह परमेश्वर को सारे विश्वासियों केलिए एक खास योजना है।* • *मसीही बनने केलिए हमें क्या करना चाहिए?* • *अगर हम मसीही है तो परमेश्वर हमें अपने सहायकों के रूप में कैसे इस्तमाल कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **प्रेरितो 11:26**
याद करने	• किस शहर में कलिसिया बढ रहा था? • यरुशलेम की विश्वासियों ने किसे अन्ताकिया भेजा? • बरनाबास ने अन्ताकिया में क्या किया? • जल्द ही बरनाबास को क्या ज़रूरत पडा? • बरनाबास किसे ढुँढने गया? • शाऊल और बरनाबास अन्ताकिया में कितने साल रहे? • यीशु पर विश्वास करने वालों को क्या नाम दिए गए? • शाऊल ने किसका काम किया?

A 11 कहानी 2

पौलूस (शाऊल) साइप्रस में - यह कहानी प्रभु यीशु के बारे में दूसरों से कहने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु पर विश्वास करके हमें सही चुनाव करने की आवश्यकता है। • हम दूसरो को यीशु के बारे में बताना चाहिए। **मुख्य पदः** **मत्ति 28:19** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 13:1-12**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से यीशु के बारे में कई चीज़ों को आपस में चर्चा करने कहो! • समझाओ कि आज की कहानी पौलूस, बरनबास और मरकूस यूहन्ना लोगों को यीशु के बारे में बताने पर है। (पौलूस के नाम में परिवर्तन के बारे में ज़ीक्र करे)
सिखाने	• एक दिन अन्ताकिया में मसीही इकठ्टे बैठे थे। पौलूस और बरनाबास भी वहाँ थे। पवित्र आत्मा ने लोगों को स्पष्ट किया कि पौलूस और बरनाबास को परमेश्वर केलिए एक विशेष कार्य करना था। इसके बारे में प्रार्थना करने के बाद बरनाबास, शाऊल और यूहन्ना मरकूस (जो बरनबास का भतीजा था) एक जहाज़ मे चढकर साईप्रस गए **(प्रेरितो 13:1-4)** • वहाँ पहूँचने पर वे यात्रा करके सुसमाचार का प्रचार करने लगा। पाफूस पहुँचकर उन्होने एक भविष्यद्वक्ता से मिले जो साइप्रस की हाकिम केलिए काम करता था, हाकिम ने पौलुस और बरनबास के बारे में सुना और उनसे मिलने चाहा। वह वचन सुनना चाहता था लेकिन इलिमास टोन्हे ने विरोध करके हाकिम को विश्वास करने से रोकना चाहा। **(प्रेरितो 13:5-8)** • शाऊल जानता था कि यह शैतान का काम है। उसने भविष्यद्वक्ता से कहा कि वह पाप कर रहा है और यीशु उसे अन्धा कर देगा। जैसे ही पौलूस ने यह कहा इलीमास अन्धा हो गया। **(प्रेरितो 13:9-11)** • हाकिम ने परमेश्वर की शक्ति की महानता को देखा और यीशु पर विश्वास किया। **(प्रेरितो 13:12)** • *पौलूस, बरनबास, यूहन्ना, मरकूस और हाकिम ने यीशु पर विश्वास करके सही निर्णय लिया। इलिमास ने गलत निर्णय लिया। यीशु चाहता है कि हम भी उन पर विश्वास करे।* • *यीशु का सन्देश वास्तव में मायने रखने वाली एकमात्र सन्देश क्यों है?* • *क्या आप किसी धर्मप्रचारक को जानते हो?* • *आप दूसरे लोगों को यीशु के बारे में कैसे बता सकते है?* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **मत्ती 28:19** समझाओ की यह यीशु ने स्वर्ग वापस जाने से पहले कहा था। यह उनका योजना था कि सारे देश के लोग सुसमाचार सुनकर उन पर विश्वास करे।
याद करने	• पौलुस और बरनबास को खास कार्य केलिए किसने भेजा? • उसके साथ और कौन गए? • उन्होने यात्रा कैसे किया? • वे किस द्विप पर गए? • पाफूस में वे किन से मिले? • पाफूस में किसने यीशु पर विश्वास किया? • भविष्यद्वक्ता को क्या हुआ? • मुख्य पद के शब्दों को किसने कहा था?

A 11 कहानी 3

पौलूस लुदिया से मिले - यह कहानी एक महिला के बारे में है जो यीशु पर विश्वास करती है।

	हम सीख रहे की : • जो भी प्रभु यीशु पर विश्वास करता है, उसे उद्धार मिलेंगा। • हम कहीं और कभी भी परमेश्वर से बात कर सकते है। **मुख्य पदः** **प्रेरितो 2:21** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 16:6-15**
प्रस्तुत करने	• बच्चों को ऐसे एक समय के बारे में बताने को कहो जब वे कही दूर यात्रा केलिए गए थे। वह कहाँ गए? कितना लम्बा सफर था? वहाँ किस से मिले? • बच्चो को समझाओ कि आज की कहानी पौलूस और उनके साथियों के सफर के बारे में है।
सिखाने	• पौलूस और उनके दो दोस्त सिलास और तीमुथियुस अनेक मील यात्रा करके एक देश से दूसरा देश जा रहे थे। पवित्र आत्मा ने उन्हे ठीक से दिखाया कि परमेश्वर उन्हे कहाँ भेजने चाहता था। जहाँ भी वे गऐ अनेक लोग थे जीसे परमेश्वर के बारे में सुनना ज़रूरी था। **(प्रेरितो 16:6-8)** • आखिरखार वे समुद्रतट पर एक शहर में पहूँचे। उस रात पौलुस ने एक खास सपना देखा जिसमें एक मकिदुनिया आदमी उससे वहाँ आकर लोगों के मदद करने केलिए अनुरोध कर रहा था। पौलूस जानता था कि परमेश्वर उन्हे स्पष्ट रूप से दिखा रहा था कि उन्हे कहाँ जाना चाहिए। **(प्रेरितो 16:9-10)** • *समझाओ कि परमेश्वर चाहता था कि वहाँ लोग यीशु के बारे में सुने इसलिए उसने पौलुस और साथिय़ों को वहाँ भेजा। हम जहाँ भी रहे परमेश्वर चाहता है कि सभी लोग यीशु के बारे में सुने।* • जल्द ही उन्हे उस दिशा की ओर जाते हुए एक जहाज़ मिला। जल्द ही वे फिलिप्पी नामक एक बडा शहर में पहूँचे। सब्द के दिन पौलुस और साथियों ने शहर के बाहर नदी तट पर गया। वहाँ उन्हे कुछ औरत मिले जो प्रार्थना करने वहाँ आए थे। **(प्रेरितो 16:11-13)** *नदी तट में औरत परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे थे। हम परमेश्वर से कहाँ प्रार्थना कर सकते है।* • उसमे से एक स्त्री का नाम लुदिया थी। वह बैजनी कपडे भेजती थी। वह अनेक सालों से परमेश्वर पर विश्वास करती थी लेकिन उसने पुत्र प्रभु यीशु के बारे में कभी सुना नही था। लुदिया ने पौलुस की बाते ध्यान से सुनी। उसने प्रभु यीशु पर विश्वास किया। वह खुश थी कि पौलुस उसके शहर में आए थे। **(प्रेरितो 16:14-15)** लुदिया के परिवार भी मसीही बने। वे सभी ने बपतिस्मा लिया और लुदिया ने पौलूस और उनके साथियों को घर आकर ठहराने को आमन्त्रित किया। • *हम परमेश्वर से क्या कुछ बात कर सकते है।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **प्रेरितो 2:21** समझाओ कि प्रभु यीशु के नाम लेने का मतलब है हमारे पापों से उद्धार माँगना। इस कहानी में लुदिया ने भी यह किया।
याद करने	• पौलूस का एक साथी का नाम? • कौन उसे दिखाया कि परमेश्वर उन्हे कहाँ भेजना चाहते थे? • पौलूस का सपना क्या था? • पौलुस और साथियाँ मकिदुनिया कैसे पहूँचे? • पौलूस और साथी ने स्त्रीयों से कहाँ पर मिले थे? • स्त्रीयाँ वहाँ क्या कर रही थी? • लुदिया क्या काम करती थी? • यीशु के बारे में सुनते ही लुदिया ने क्या किया?

A 11 कहानी 4

पौलूस और सिलास बन्दीगृह में - यह कहानी उद्धार पाए लोगों के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • हमे उद्धार पाने केलिए प्रभु यीशु पर विश्वास करनी चाहिए। • मसीही सन्तुष्ट है क्योंकि ईश्वर उनके मसीह है। **मुख्य पदः** **प्रेरितो 16:31** **बाइबल पाठः** **प्रेरितो 16:16-34**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से पूछों कि उन्हे क्या खुश करता है! • बच्चों से बताओ कि आज की कहानी कई सन्तुष्ट लोग के बारे में है।
सिखाने	• एक दिन जब पौलुस और सिलास फिलिप्पी में थे उन्होने एक दासी लडकी की मदद किया। इस कारण उनकी स्वामीयों ने गुस्से में आकर पौलुस और सिलास को खींचकर चौके में ले गए **(प्रेरितो 16:16-21)** • पौलुस और सिलास को पीटा और बन्दीगृह में डाला गया। दारोग ने कोठरी में रखा और पाँव काठ में ठोंक दिए। **(प्रेरितो 16:22-24)** *आपको क्या लगता है कि पौलूस और सिलास को कैसा लगा होगा?* • आधी रात को दूसरे कैदियों ने पौलूस को सिलास को प्रार्थना करते और भजन गाते हुए सुना। इतने पिटाई के बाद भी वे गाना गा रहे थे **(प्रेरितो 16:26)** • अचानक एक और आवाज़ सुना। सारे चीज़ हिलने लगे। दरवाज़े खुले और ज़जीरों खुलकर गिर पडे। वह एक भूकम्प था। **(प्रेरितो 16:26)** • दारोगा ने उठा और देखा कि बन्दीगृह के दरवाजे खुला है। उसका पहला विचार क्या हुआ होगा। पौलुस ने उसे चिन्ता नही करने को कहा क्योंकि सभी कैदी अभी भी वहाँ मौजूद थे। **(प्रेरितो 16:27-28)** • *दारोग ने समझ गया की वह एक पापी था और उसने पौलूस से पूछा कि उद्धार पाने केलिए क्या करना चाहिए। पौलूस ने जवाब दिया कि उद्धार पाने केलिए प्रभु यीशु पर विश्वास करना है।* पौलुस और सिलास ने दारोगे और उनके परिवार को समझाया कि यीशु ने उनके पापों केलिए क्रूस पर प्राण दिया था। दारोगे ने उन्हे अपने घर ले जाकर घाव धोए और भोजन दिए। दारोगा और परिवार केलिए वह एक अच्छी रात थी क्योंकि उन्होने यीशु पर विश्वास किया था। **(प्रेरितो 16:29-34)** • *इस कहानी में कौन खुश थे? वे खुश क्यों थे?* • *बच्चों को समझाओ कि हमें हमारे पापों से उद्धार पाना ज़रूरी है। हमें यीशु पर विश्वास करना चाहिए क्योंकि वे परमेश्वर का पुत्र था जिन्होने हमारे लिए प्राण भी दिया था।* **बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **प्रेरितो 16:31**
याद करने	• पौलुस और सिलास ने किसका मदद किया था? • पौलुस और सिलास के साथ क्या हुआ? • आधी रात को पौलुस और सिलास क्या कर रहे थे? • जब वे भजन गा रहे थे तब क्या हुआ? • भूकम्प के बाद दारोगा डरा हुआ क्यों था? • दारोगा ने पौलुस और सिलास से क्या पूछा? • पौलुस और सिलास ने उसने क्या कहा? • उस रात दारोगा ने क्या किया? • इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

A 12 कहानी 1

जकरयाह और इलीशिषा - यह कहानी पररमेश्वर की प्रार्थना का जवाब देने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर प्रार्थना के जवाब देता है। • परमेश्वर हमारे समय में नही उसने समय पर प्रार्थना का उत्तर देता है। **मुख्य पदः** **लूका 1:13** **बाइबल पाठः** **लूका 1:5-25**
प्रस्तुत करने	• बच्चों से उनके परिवार के बारे में पूछो। उनके घर के बच्चों के बारे में चर्चा करो। बच्चों लोगों को खुशी देते है! • बच्चों को उन चीज़ों के बारे में सोचने केलिए कहे, जो वास्तव में वे चाहते है। उसे वह चीज़ क्यों पसन्द है? इस कहानी के जोडें भी ऐसे कुछ चाहते थे, उन्हे एक बच्चा चाहिए था।
सिखाने	• जकरयाह और इलीशिबा वास्तव में एक बच्चा चाहता था। उनके सारे दोस्तों और परिवार वालों के घर में बच्चो हो गए पर यह दोनों बेऔलाद थे। *उन्हे कैसा लगा होगा। बच्चों से पूछो की घर में बच्चे न होना कैसा होता है।* **(लूका 1:5-7)** • उन्होने इसके बारे में परमेश्वर से प्रार्थना करने का फैसला किया। वे जानते थे कि परमेश्वर प्रार्थना के उत्तर देने केलिए सक्षम है। **(लूका 1:13)** *समझाओ कि हम किसी भी समस्या के बारे में प्रार्थना कर सकते है।* • परमेश्वर ने प्रार्थना सुना और जकरयाह से मन्दिर में मिलने केलिए एक स्वर्गदूत को भेजा। *स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह को कैसा लगा?* स्वर्गदूत ने उसे न डरने को कहा और उसे खुश खबर दिया की इलीशिबा का एक बेटा होगा जिसका नाम यूहन्ना रका जाएगा **(लूका 1:8-11)** • जकरयाह ने जो समाचार सुना उसे वह विश्वास नही कर सकता था। उसने सोचा कि वह और इलिशिबा बहुत बूढे हो चुके और उन्हे अब बच्चो नही हो सकते थे। स्वर्गदूत ने उसे बताया कि उनके अविश्वास के कारण वह गून्गा बन जाएगा। **(लूका 1:18-20)** • *जकरयाह से हम एक महत्वपूर्ण सबक सीख सकते है। जब हम प्रार्थना करते है तब हमे विश्वास करना चाहिए कि परमेश्वर हमारी प्रार्थना का जवाब देंगे।* • *कुछ मामलों पर विचार करे जिसके लिए हम प्रार्थना कर सकते है।* **•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **लूका 1:13**
याद करने	• जकरयाह ने किससे शादी किया? • वे वास्तव में क्या चाहते है? • जकरयाह और इलिशिबा ने किससे प्रार्थना किया था? • जकरयाह से मिलने मन्दिर पर कौन आया था? • स्वर्गदूत को देखकर जकरयाह को कैसा लगा? • स्वर्गदूत ने क्या सन्देश दिया? • सन्देश पर विश्वास न करने पर जकरयाह को क्या हुआ? • जब हम प्रार्थना करते है तो हमे किस महत्वपूर्ण कार्य को करना चाहिए?

A 12 कहानी 2

मरियम और जिब्राईल - यह कहानी मरियम की परमेश्वर के विश्वास के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • असम्भव लगने पर भी मरियम ने परमेश्वर का वचन पर विश्वास किया। • परमेश्वर असम्भव दिखने वाली चीज़ों को भी कर सकते है। **मुख्य पदः** **लूका 1:37** **बाइबल पाठः** **लूका 1:26-38**
प्रस्तुत करने	• पिछले हफ्ते की कहानी की समीक्षा करे जो जकरयाह और इलिशिबा को बच्चा होने का स्वर्गदूत की सन्देश के बारे में था। परमेश्वर ने एक और खास मुलाकात केलिए स्वर्गदूत को भेजा !
सिखाने	• *मरियम और इलिशिबा में फर्क दिखाओ।* मरियम एक कूँवारी युवती थी जिसकी मंगली नासरत में रहने वाले यूसुफ से हुई थी। एक दिन जिब्राईल नामक स्वर्गदूत ने उससे आकर मिला **(लूका 1:26-27)** *बच्चों को समझाओ की यह एक साधारण कार्य नही था और स्वाभाविक रूप से मरियम डरी थी।* • स्वर्गदूत ने उसे न डरने को कहा। उसने जिब्राईल की बाते ध्यान से सुनी। मरियम उलझा हुई थी। उसकी शादी अभी तक हूई नहीं थी। स्वर्गदूत ने कहा कि पवित्र आत्मा उसे एक विशिष्ट बच्चे को देगी। **(लूका 1:29-34)** • आज तक पैदा हुए सारी बच्चों से यीशु महत्वपूर्ण होगा। वे परमेश्वर का पुत्र होगा। समझने में बहुत ही मुश्किल था लेकिन स्वर्गदूत ने मरियम को समझाया कि परमेश्वर केलिए कुछ भी असम्भव नही था। **(लूका 1:35-37)** • मरियम ने उस सन्देश को विश्वास किया जो उसे बताया गया था। परमेश्वर की महान योजना का एक हिस्सा बनकर परमेश्वर के बेटे को सन्सार में लाने केलिए मरियम तैयार थी। यीशु का जन्म एक बहुत बडा चमत्कार होगा। **(लूका 1:38)** • *क्या आपको कभी ऐसा कुछ वादा किया गया है जिसे आपको विश्वास करना मुश्किल लगा हो?* • *आपको क्यों लगता है कि मरियम ने स्वर्गदूत को विश्वास किया? परमेश्वर चाहता है कि मरियम के तरह हम सब उन पर विश्वास करे।* **•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **लूका 1:37** क्या बच्चों को बाइबल में बताए गए कुछ अन्य असम्भव कार्य के बारे में सोच सकते है जो परमेश्वर ने किया था? ऐसे शक्तिशाली परमेश्वर होने केलिए उसकी प्रशंसा करे।
याद करने	• मरियम कहा रहती थी? • मरियम की मंगली किसके साथ हुई थी? • उस स्वर्गदूत का नाम क्या था जिसने मरियम से मिला? • सन्देश सुनकर मरियम दुविधा में क्यों थी? • किस तरह से यह बच्चा विशेष होगा? • सन्देश को सुनकर मरियम ने क्या किया? • अनुकरण केलिए मरियम एक अच्छी मिसाल क्यों है? • परमेश्वर से असम्भव कार्य क्या है?

A 12 कहानी 3

यूहन्ना का जन्म - यह कहानी परमेश्वर के वादे पूरा होने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • परमेश्वर जकरयाह और इलिशिबा से किए वादा को पूरा करता है। • परमेश्वर हमारे प्रती अपना वचन को रखता है। **मुख्य पदः** **लूका 1:76** **बाइबल पाठः** **लूका 1:57-80**
प्रस्तुत करने	• चर्चा करो कि अनेक महीनों केलिए गूंगा रहना कैसा होगा? बच्चों को समझाओं कि स्वर्गदूत के सन्देश को अविश्वास करके जकरयाह के साथ ऐसे ही हुआ! • क्रिसमस या कोई अन्य विशेष दिन पर अगर आपको वो तोहफा मिले जिसका इन्तज़ार आप कर रहे थे तब आपका एहसास क्या था? जकरयाह और इलिशिबा को भी ऐसा कुछ अनुभव हुआ जब वादे के अनुसार उन्हे एक बेटा मिला।
सिखाने	• परिवार वाले और पडोसी चाहते थे कि बच्चे का नाम जकरयाह रका जाए। लेकिन इलिशिबा ने कहा कि उसका नाम यूहन्ना होगा। **(लूका 1:57-60)** *इलिशिबा ने ऐसे क्यों कहा?* • जब जकरयाह से बच्चे के बारे में पूछा गया उसने लिखा 'उसका नाम यूहन्ना है' **(लूका 1:62-63)** • उसी वक्त वह बोलने लगा। जकरयाह ने ऐसे क्यों किया? *परमेश्वर ने अपना वादा पूरा किया। वह अपने पुत्र के जन्म पर खुश था और वह जानता था कि परमेश्वर और अधिक अनोखे कार्य करेंगे।* जो कुछ भी हुआ उसे देखकर सब हैरान रह गए। **(लूका 1:64-66)** • *यूहन्ना एर विशेष बच्चा था। क्यों? बच्चों को समझाओ कि यूहन्ना केलिए उनके माता-पिता ने अनेक साल इन्तज़ार किए थे। और वह बडा होकर प्रभु यीशु केलिए रास्ता तैयार करेगा।* • *परमेश्वर हमारे प्रति अपने वादे को भी रखेंगे। बाइबल में दिए गए कुछ वादे के बारे में चर्चा करो।* **•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **लूका 1:76** व्यक्त करो कि यह भाग जकरयाह के भजन से लिया गया है जिसे उसने परमेश्वर के स्तुति करते हुए गया था।
याद करने	• इलिशिबा का पति कौन था? • वह गूँगा क्यो था? • पडोसी बच्चो का नाम क्या रखना चाहते थे? • जकरयाह और इलिशिबा ने उसे यूहन्ना क्यों बुलाया? • जकरयाह ने फिर बाते करना कब शुरु किया? • यूहन्ना क्या विशेष काम करने वाला था?

A 12 कहानी 4

यीशु का जन्म- यह कहानी परमेश्वर अपने बेटे को देने के बारे में है।

	हम सीख रहे की : • यीशु परमेश्वर का पुत्र है जो हमारे मसीह बनने केलिए आया। • परमेश्वर ने अपने पुत्र प्रभु यीशु को भेजा। इस महान प्रेम केलिए हमें उनको धन्यवाद देना चाहिए। **मुख्य पदः** **लूका 2:7** **बाइबल पाठः** **लूका 2:1-7**
प्रस्तुत करने	• अन्तिम क्षण में योजनाए के बदलने के बारे में चर्चा करे। अपने और बच्चों के जीवन से कुछ उदाहरण दो। • समझाओ की मरियम अपने बच्चे को जन्म देने का समय नज़दिक आ रहा था। यह आसान होता अगर बच्चे का जन्म नासरत में ही होता जहाँ युसुफ और मरियम रहते थे।
सिखाने	• रोमन हाकिम ने आज्ञा निकाला कि सारे लोग अपने जन्मस्थान में अपने नाम लिखाए। यूसुफ और मरियम को बैतलहम जाना था **(लूका 2:1-5)** *सफर के दूरी के बारे में जानकारी दो- लगभग 80 मिल/ चार दिन की सफर।* • वहाँ पहूँचने पर उन्हे ठहरने को जगह नही मिला बच्चे का जन्म देना का दिन पूरा होने वाला थआ तो उसे एक सराय में रुकना पडा। **(लूका 2:6-7)** • जब बच्चा पैदा हुआ तो उसे कपडे में लेपट क चरनी में रका। **(लूका 2:6-7)** *बच्चों को इसके महत्व के बारे में समझाओ कि महान यीशु को एक चरनी में लिटाया गया। हमारे घर में जन्म बच्चों से इसकी तुलना करो।* • *यीशु की तरह आज तक कोई बच्चे का जन्म नही हुआ है। वे परमेश्वरक पुत्र है। वे स्वर्ग छोडकर हमारे पापों के उद्धार केलिए इस सन्सार में आने केलिए तैयार हुए थे।* **(मत्ति 1:21)** • *हमे याद रकना चाहिए की क्रिसमस इस सब के बारे में है। और हमे परमेश्वर को उनके महान प्रेम केलिए धन्यवाद देना चाहिए।* **•बाइबल टाइम पाठ को पूरा करो।**
सीखने	मुख्य पद को सिखाओ और व्याख्या करो - **लूका 2:7**
याद करने	• यूसुफ की पत्नी कौन थी? • मरियम और यूसुफ कहाँ रहते थे? • यूसुफ और मरियम कहाँ गए? • यूसुफ और मरियम बैतलहम में क्यों थे? • वे एक ओसारा में क्यों रुके थे? • यीशु को कहाँ लिटाया गया? • यीशु विशेष क्यों थे? • हमें एक मसीहा को ज़रूरत क्यों हे?

पाठ को अंकन करने शिक्षको केलिए मार्गदर्शन

लेवल 1 पाठः

- हर हफ्ते एक/दो पन्ने जो मुख्य रूप से रंग भरने या सवालों के जवाब देने।
- हर हफ्ते 10 अंक निर्धारित किए है और एक महीने में अधिकतम 40 अंक।
- लेवल 1 के बच्चों को अक्सर पढने में तकलिए हो सकता है इसलिए हम चाहते है कि माता-पिता/ रक्षक/शिक्षक उनके सहायता करे।
- हम हर सवाल केलिए 2 अन्क निर्धारित किए है और शेष अन्क रंग भरने केलिए/ ऐक अध्याय केलिए 10 अन्क।

लेवल 2 पाठः

- हर हफ्ते 4 पन्ने।
- कहानी पाठ में ही निहित है। बच्चों को पहेली सुलझाने, रंग भरने, मुख्य पद को पूरा करना है।
- 20 अन्क हर हफ्ते केलिए निर्धारित है और एक महीने केलिए अधिकतम 80 अन्क।

बाइबल टाइम के मार्किन्ग

निर्देशः

शिक्षक पहलेः

- पाठ को जाँच कर चिन्हित करे।
- निर्देश अनुसार आवश्यक अन्क है।
- गलत जवाब के पास चिन्हित करे और सही जवाब भी लिखे।
- आन्शिक रूप से सही उत्तर केलिए मक अन्क दे।
- एक महीने के कुल अन्क के दिए हुए जगह में लिखो।

© Bible Educational Services 2015

www.besweb.com

Registered Charity UK 1096157